भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

ओडिशा में कम कार्बन निर्माण में तेजी लाने पर कार्यशाला आईआईटी भुवनेश्वर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई

भुवनेश्वर, 30 अप्रैल 2026: डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स के सहयोग से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर में "ओडिशा में कम कार्बन निर्माण में तेजी लाना: प्रौद्योगिकी और रणनीतियाँ" विषय पर एक बहु-हितधारक कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

कार्यशाला में प्रमुख सरकारी विभागों, उद्योग, शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो ओडिशा में टिकाऊ निर्माण प्रथाओं में मजबूत और बढ़ती रुचि को दर्शाता है। प्रतिभागियों में आवास और शहरी विकास विभाग (एचयू एंड डीडी), भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी), कार्य विभाग, ओडिशा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (ओएसपीसीबी), और ग्रामीण कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ डालमिया, अल्ट्राटेक और रैमको जैसी अग्रणी सीमेंट कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ एल एंड टी, रेडी-मिक्स कंक्रीट कंपनियों, आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स और यूएन-हैबिटेट के हितधारक शामिल थे।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्री सौरिन्द्र रौत्रे, अतिरिक्त सचिव, एचयूएंडडीडी, ओडिशा सरकार उपस्थित थे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र सिंह सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। एचयूएंडडीडी के अतिरिक्त सचिव श्री बिनया दाश ने ओडिशा में टिकाऊ शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए मजबूत नीति प्रोत्साहन, बाजार की तैयारी और विभागों में अभिसरण के माध्यम से सीएंडडी अपशिष्ट आधारित ब्लॉक और एलसी3 जैसी कम कार्बन निर्माण सामग्री को मुख्यधारा में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सत्र की शुरुआत प्रो. दिनाकर पासला (आईआईटी भुवनेश्वर) के संक्षिप्त संबोधन और डॉ. सौमेन मैती (डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स) द्वारा संदर्भ-सेटिंग के साथ हुई, इसके बाद सुश्री शालोनी डैश (डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स) द्वारा आधारभूत मूल्यांकन निष्कर्षों पर एक प्रस्तुति दी गई, जिसमें ओडिशा में कम कार्बन निर्माण सामग्री को बढ़ाने के लिए प्रमुख नीतिगत अंतराल और अवसरों पर प्रकाश डाला गया।

डॉ. सुरेंद्र सिंह द्वारा निर्माण और विध्वंस (सी एंड डी) कचरे की पुनर्चक्रण क्षमता और टिकाऊ बुनियादी ढांचे में इसकी भूमिका पर तकनीकी सत्र दिए गए, और डॉ. अशोक कुमार सिंघा द्वारा जलवायु वित्त विकल्पों और एलसी 3 सामग्री प्रबंधन पर तकनीकी सत्र दिए गए। इन सत्रों ने कम कार्बन निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी नवाचारों और वित्तपोषण तंत्र में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की।

पैनल चर्चा कार्यशाला का मुख्य हिस्सा बनी, जिसमें ओडिशा में स्केलिंग एलसी 3 पर ध्यान केंद्रित किया गया: नवाचार से लेकर बाजार परिवर्तन और ओडिशा में सी एंड डी अपशिष्ट प्रबंधन तक स्केलिंग
चर्चा में एचयूएंडडीडी, डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स, आईआईटी भुवनेश्वर, यूएन-हैबिटेट और उद्योग हितधारकों के प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। मुख्य विचार-विमर्श लागत प्रतिस्पर्धात्मकता, बाजार अपनाने

की चुनौतियों, नीति समर्थन तंत्र और एलसी3 (चूना पत्थर कैलक्लाइंड क्ले सीमेंट) को बढ़ाने और ओडिशा में सी एंड डी अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करने के लिए संस्थागत मार्गों पर केंद्रित था।

विशेष रूप से, LC3 और C&D अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रीय विषय के रूप में उभरे, हितधारकों ने इसकी आवश्यकता पर जोर दिया:

• मजबूत नीतिगत प्रोत्साहन और जनादेश
• बाज़ार विकास और जागरूकता
• निर्माण में चक्रीय अर्थव्यवस्था सिद्धांतों का एकीकरण
• सी एंड डी अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2025 का सुदृढ़ कार्यान्वयन

एचयूएंडडीडी के अधिकारियों ने राज्य में कम कार्बन निर्माण सामग्री और टिकाऊ शहरी विकास प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा की जा रही पहल और नीति निर्देशों को साझा किया।

कार्यशाला ने ज्ञान के आदान-प्रदान, हितधारक परामर्श और कार्रवाई योग्य रणनीतियों के सह-निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य किया। इसने कम कार्बन, संसाधन-कुशल और परिपत्र निर्माण क्षेत्र की ओर ओडिशा के संक्रमण में तेजी लाने के लिए सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता को सुदृढ़ किया।

यह आयोजन सभी हितधारकों की सिफारिशों को आगे बढ़ाने और उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कार्यों में तब्दील करने की साझा प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुआ। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. उमेश सी साहू (आईआईटी भुवनेश्वर) ने किया।